

14/02/14

पञ्चवती मूल तबल करके इस विद्वा कावयम जाते
 न प्रसन्न हुई। श्रेष्ठ करके इस मूल तबल
 विद्वा कावयम जा लुका है इतिहास सुखेन
 सुखान चलीन योग्य रहे ही अंश सुखेन
 सुखान उचित जिते जाते के सुखेन विदे
 जाते है जिनल फेरान सुखन देका जेन
 से कर है।

47
 उपरान्त अधिकारी
 दातारामगढ़

वेदव्यास

[Signature]

14/02/14